भजन

मुझे रास आ गया है,तेरे दर पे सर झुकाना
तुझे मिल गई है रूहें,मुझे मिल गया ठिकाना

1–अपनी रूहों की खातिर,पिया धाम से चल के आये
पकड़ा है हाथ मेरा,अब धाम ले के जाना

2–तेरी आशिकी से पहले ,मुझे कौन जानता था
बैठे हो आके दिल में ,मेरा फकत बहाना

3–तेरे इश्क ने अब मुझको पागल बना दिया है
महबूब अब है अपने,रूठे अगर जमाना

4–ये सर वो सर नही है,रख कर कभी उठा लूं
सर रख दिया है मैने, आता नही उठाना

5–शाहों के शहंनशाह का, बड़ा लाड है सुहाना
तेरे दर को मैने समझा,अर्शो का आशियाना